PART-1

पुनर्जागरण काल के प्रमुख खोज यात्री- वास्को-डी-गामा

भाग:- 2

डॉ. राजेश कुमार सिंह, भूगोल विभाग

सर्व नारायण सिंह राम कुमार सिंह महाविद्यालय, सहरसा

पुनर्जागरण काल के प्रमुख खोज यात्री (Main Explorers of Renaissance Period)

उत्तर मध्यकाल या पुनर्जागरण काल में पश्चिमी यूरोपीय देशों के शासकों तथा जनता के प्रोत्साहन एवं सहायता से अनेक खोज यात्रियों (नाविकों) ने नये-नये महासागरीय मार्गों और महाद्वीपों, द्वीपों, देशों आदि का पता लगाया। इस युग के खोजयात्रियों में मा्कोपोलो, कोलंबस, वास्कोडीगामा, मैंगेलन, कुक, अमेरिगो वसपुक्की, जोन्स डीमांट, फ्रांसिस ड्रेक, हडसन आदि के नाम विशेष उल्लेखनीय हैं। कुछ प्रमुख खोजयात्रियों की यात्राओं का संक्षिप्त विवरण अग्रांकित है:-

(3) वास्को-डी-गामा (Vasco-De-Gama)

28 मई 1498 को कालीकट के सम्राट ने वास्को-डी-गामा से भेंट की और उसे व्यापार के लिए आमंत्रित किया तदन्तर वास्को-डी-गामा भारतीय गरम मसालों को लेकर स्पेन के लिए प्रस्थान किया।

इस यात्रा में बीमारी आदि के कारण उसके यात्री दल के 160 व्यक्तियों की मृत्यु हो गयी थी किन्तु वास्की-डी-गामा भारत के लिए समुद्री मार्ग की खोज करने में पूर्णतया सफल रहा।

वास्को-डी-गामा ने अपनी दूसरी समुद्री यात्रा 1502 में आरंभ की और वह अपने पूर्व ज्ञात मार्ग से मोजाम्बिक और भारत पहुँचा। 1524 में उसे एशिया में पुर्तगाली बस्तियों का सर्वोच्च अधिकारी (वायसराय) बना दिया गया किन्तु उसी वर्ष 24 दिसम्बर, 1524 को कोच्चि (कोचीन) में उसका देहावसान हो गया। वास्को-डी-गामा द्वारा खोजे गये इस नये मार्ग ने समुद्री व्यापार के लिए एक विशाल क्षेत्र प्रदान किया। आगे चलकर इसी समुद्री मार्ग से पुर्तगाली, फ्रांसीसी, ब्रिटिश और डच व्यापारियों ने दक्षिणी एवं दक्षिणी-पूर्वी एशियाई देशों (भारत, श्रीलंका, ब्रह्मा, हिन्दचीन, हिन्देशिया आदि) और ऑस्ट्रेलिया में अपनी-अपनी व्यापारिक बस्तियों की स्थापना की थी ।

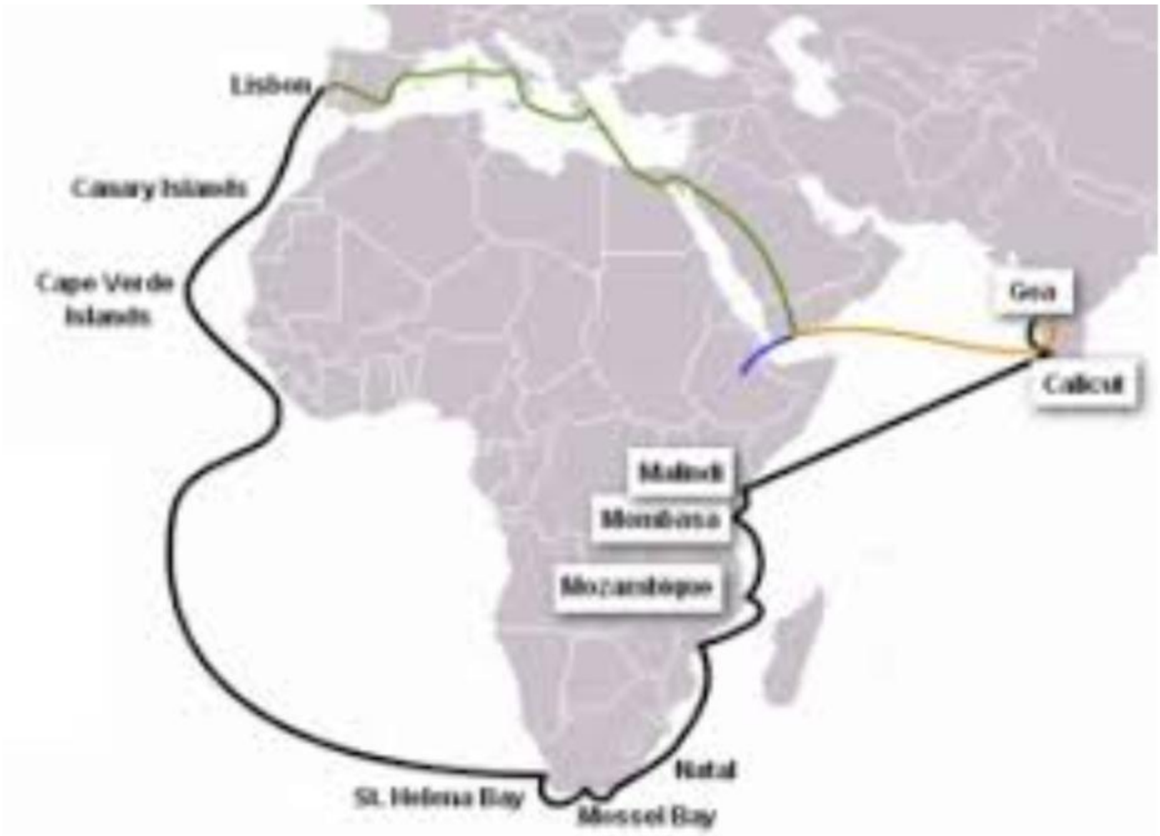

Vasco-De-Gama travel map